To Start B.A.M.S Classes

Question:-

***1160.** **SH. SITA RAM YADAV, M.L.A.:** Will the Ayush Minister be pleased to state:-

a) Whether it is a fact that the building of Baba Khetanath Ayurvedic College and Hospital at Patikra (Narnaul) has been constructed by the Government; if so, the time by which the classed of B.A.M.S are likely to be started in the said college and hospital; and

b) the reasons for which the classes has not been started so far?

Reply:-

Anil Vij, Health and AYUSH Minister Haryana.

Sir, A statement is laid on the table of the house.

Statement referred to in the reply to starred question No. 1160

The position regarding the reply in the referred question for Point No. (a) and (b) is given below:-

a) The building of Baba Khetanath Ayurvedic College and Hospital at Patikra (Narnaul) has been constructed by PWD (B&R) on the land measuring 21 acre 2 kanal 3 marla on lease basis for 33 years by Gram Panchayat, Patikra and handed over to AYUSH Department on 10.07.2017.

As per regulation 10 (a) of notification of Central Council of Indian Medicine (CCIM) dated 07.11.2016 which is reproduced here as under:-

10 (a) Before admission of the first batch of students, the college shall have-

at the time of submission of application, there shall be a fully developed hospital building as specified regulations 4 and 5 with functional Ayurveda hospital prior two years from the date of application, having appropriate number of beds, bed occupancy and Out-Patient Department attendance corresponding to the annual students intake capacity as specified in the sub-regulation (2) of regulation 7;

As per CCIM norms there should be a fully developed hospital building with functional Ayurveda Hospital prior two years from the date of application. **To make functional the IPD facility in the hospital the case is under active consideration of the Govt. The college will be made fully functional after getting the necessary permission of the CCIM after fulfilment of the condition of two years functional IPD prior to the date of application for starting admission of B.A.M.S. Course.**

The building of Ayurvedic Hospital was handed over to Civil Surgeon, Narnaul for management of Covid-19 for pandemic from 29.03.2020 onwards. The whole building of Hospital is under the control of CMO Narnaul/DG, Health Panchkula at present. Because of Covid-19 pandemic, the Hospital has not been made functional.

b) Because of Covid-19 pandemic, the Ayurvedic College/Hospital has been running as District Covid Center.

****

बी.ए.एम.एस. कक्षाएं आरम्भ करना

प्रश्नः–

***1160.** श्री सीताराम यादव, एम0एल0ए0 : क्या आयुष मंत्री कृपया बताएंगे कि–

(क) क्या यह तथ्य है कि सरकार द्वारा पटीकरा (नारनौल) में बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक महाविघालय तथा अस्पताल के भवन का निर्माण किया गया है; यदि हां, तो उक्त महाविघालय तथा अस्पताल मे बी.ए.एम.एस. की कक्षाएं कब तक आरम्भ किए जाने की संभावना है; तथा

(ख) अब तक कक्षाएं आरम्भ न किए जाने के कारण क्या हैं ?

उत्तरः–

अनिल विज, स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री हरियाणा।

श्रीमान्, विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

तारांकित प्रश्न संख्या 1160 के उत्तर मे उल्लेखित विवरण

बिन्दु संख्या (ए) और (बी) के लिए संदर्भित प्रश्न के उत्तर के संबंध मे स्थिति नीचे दी गई है:–

(ए) ग्राम पंचायत, पट्टीकरा द्वारा पट्टा आधार पर 33 वर्ष के लिए दी गई 21 एकड 2 कनाल 3 मरला जमीन पर पी0डब्ल्यू0डी0 (बी0 एण्ड आर0) द्वारा पट्टीकरा (नारनौल) में बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक कॉलेज एंव अस्पताल का भवन निर्माण किया गया है और दिनांक 10.07.2017 को आयुष विभाग को सौंप दिया गया।

केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद (सी0सी0आई0एम0) की अधिसूचना दिनांक 07.11.2016 के रेगुलेशन 10 (क) जो कि निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत है:–

10 (क) कॉलेज छात्रों के प्रथम बैच के प्रवेश से पूर्व निम्नलिखित को रखेगा–

आवेदन प्रस्तुत करते समय, कॉलेज के पास शय्याओं की उचित संख्या तथा विनियम 7 के उपविनियम (2) में निर्दिष्ट वार्षिक छात्र प्रवेश क्षमता के अनुरूप शय्या अधिभोग एवं बाह्य रोगी विभाग की उपस्थिति रखने वाले आवेदन की तिथि से दो वर्ष से पूर्व कार्यात्मक आयुर्वेद चिकित्सालय के साथ विनियम 4 एंव 5 में यथा विनिर्दिष्ट एक पूर्णतः विकसित चिकित्सालय होना चाहिए।

सी0सी0आई0एम0 मानदण्डों के अनुसार आवेदन की तिथि से दो वर्ष पहले से एक पूर्ण विकसित अस्पताल भवन के साथ कार्यात्मक आयुर्वेदिक अस्पताल होना चाहिए। अस्पताल मे आई0पी0डी0 सुविधा को क्रियाशील बनाने के लिए मामला सरकार के सक्रिय रूप मे विचाराधीन है। बी0ए0एम0एस0 कोर्स में प्रवेश प्रारम्भ करने हेतू आवेदन की तिथि से पूर्व दो वर्ष की क्रियात्मक आई0पी0डी0 की शर्त को पूर्ण करने के उपरांत सी0सी0आई0एम0 की आवश्यक अनुमति प्राप्त कर महाविघालय को पूर्णतः क्रियाशील बनाया जाएगा।

आयुर्वेदिक अस्पताल का भवन दिनांक 29.03.2020 से कोविड–19 वैश्विक महामारी के प्रबन्धन के लिए सिविल सर्जन, नारनौल को सौंप दिया गया। इस समय अस्पताल का पूरा भवन सिविल सर्जन, नारनौल/महानिदेशक, स्वास्थ्य, पंचकूला के नियन्त्रण मे है। कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण, अस्पताल को कार्यात्मक नहीं बनाया जा सका है।

(बी) कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण, आयुर्वेदिक कॉलेज/अस्पताल जिला कोविड केन्द्र के रूप मे चल रहा है।